प्रारूप - 33 2.28

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या जी0 एस0 –
01 / सड़क सरेखण / पिथौरागढ़ / 2012

जनपद पिथौरागढ़ में राज्य योजना के अन्तर्गत्
नाघर कुमलता से गंगा सेरी मोटर मार्ग, लम्बाई 04 किमी0,
सड़क सरेखण की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

Photo copy Attested

जनपद पिथौरागढ़ में राज्य योजना के अन्तर्गत् नाघर कुमलता से गंगा सेरी मोटर मार्ग, लंम्बाई 04 किमी0, सड़क सरेखण की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

1– प्रस्तावना: प्रांतीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग पिथौरागढ़ को उक्त मार्ग का निर्माण करना राज्य योजना के अन्तर्गत् स्वीकृत हुआ है । अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, पिथौरागढ़ के अनुरोध पर स्थल का निरीक्षण 15.07.2012 को श्री उदय राम, सहायक अभियन्ता एवं श्री के. एस. गड़िया, अपर सहायक अभियन्ता की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। प्रस्तावित सरेखण का अध्ययन भूगर्भीय स्थिति, आकृति एवं पर्यावरणीय पारिस्थितिकी के अध्ययन हेतु किया गया, ताकि सड़क निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिया जा सके।

2– स्थिति: यह सड़क सरेखण नाघर–कुमलता मोटर मार्ग के किमी0 04 ग्राम नाघर दौला से प्रारम्भ होकर गंगासेरी तक जाता है।

3– भूगर्भीय स्थिति: यह सड़क सरेखण भीतरी लेसर हिमालय के अन्तर्गत् पिथौरागढ़ जनपद में प्रस्तावित है। इह सरेखण "पिथौरागढ़ कैल्क ज़ोन" के गंगोलीहाट संस्तर और सोर स्लेट से होकर गुजरता है। इन चट्टानों में मुख्य रूप से 4 संधि समुच्चय मिलते है। इन चट्टानों में किया गया अध्ययन इस प्रकार है ।

1.	60–240 / उत्तर उत्तर पश्चिम / 42°	नति
2.	80–260 / उत्तर उत्तर पश्चिम / 40°	नति
3.	90–270 / उत्तर / 45°	नति
4.	95–275 / उत्तर उत्तर पूर्व / 35°	नति
5.	82–262 / दक्षिण दक्षिण पूर्व / 45°	नति
6.	95–275 / दक्षिण दक्षिण पश्चिम / 30°	नति
7.	20–200 / पश्चिम उत्तर पश्चिम / 60°	ज्वाइन्ट
8.	75–255 / दक्षिण दक्षिण पूर्व / 70°	ज्वाइन्ट
9.	10–190 / पूर्व दक्षिण पूर्व / 55°	ज्वाइन्ट
10	80–260 / उत्तर उत्तर पश्चिम / 35°	ज्वाइन्ट

इस सरेखण में भूगर्भीय विवर्तनिक क्रम निम्नवत है ।

मिटटी की परत
डालामाइट एव डालामाइटी चूना प्रस्तर
स्लट
फाइलाइट
स्लट
मृण्मय चूना प्रस्तर

4– स्थल वर्णन: प्रस्तावित मोटर मार्ग नाघर–कुमलता मोटर मार्ग के किमी0 04 ग्राम नाघर दौला से प्रारम्भ होकर गंगासेरी तक जाता है। इस सड़क सरेखण में पहाड़ का ढलान सामान्य से मध्यम के बीच है। प्रस्तावित सड़क "पिथौरागढ़ कैल्क ज़ोन" के गंगोलीहाट संस्तर और सोर स्लेट से होकर गुजरता है। डोलोमाइट में कहीं–कहीं पर चर्ट की पट्टियॉ विद्यमान हैं। स्लेट कहीं – कहीं पर फाइलाइट प्रकृति का प्रतीत होता है। स्लेट प्रस्तर में स्लटी विदलन अच्छी तरह विकसित है। फाइलाइट काले एवं भूरे रंग का है तथा कहीं–कहीं पर फाइलाइट गुलाबी रंग का भी मिलता है। डोलोमाइट का विशिष्ट लक्षण गज–चर्म अपक्षय कई स्थानों पर दिखता है। कहीं–कहीं स्लट मृण्मय चूना प्रस्तर के साथ अन्तरासंस्तरित है। इस मार्ग में एक भी एच0 पी0 बैंड प्रस्तावित नहीं है। इस मार्ग में 04 सूखे/बरसाती नालें हैं। इसमें नाप भूमि तथा वन भूमि दोनों पड़ता है।

5– स्थाईत्व का विचार: इस सरेखण की स्थल–संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, भूगर्भीय, भूकम्पीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस भाग में मार्ग निर्माण हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है ।

(1) यह सरेखण लेसर हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में है।
(2) भूकम्पीय दृष्टि से यह भू–भाग जोन V में है।
(3) इसमें 04 सूखे/बरसाती नाले हैं।
(4) सरेखण वन भूमि एवं कृषि भूमिं दोनों से होकर गुजरता है ।
(5) सरेखण का अधिकतम ग्रेडिएन्ट 1:20 है ।
(6) सरेखण सामान्य से मध्यम् पहाड़ी ढ़लान पर प्रस्तावित है।
(7) सड़क निर्माण के समय पर्यावरण पर ध्यान देना होगा।

6– सुझाव: इस सरेखण की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, स्थाईत्व का विचार, भूगर्भीय, भूकम्पीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस भू–भाग में मार्ग निर्माण हेतु निम्नलिखित सुझाव दिए जाते हैं ।

(1) सूखे नालों पर स्कपर/डबल स्कपर/कल्वर्ट/काजवे/पुल का निर्माण किया जाए।
(2) पहाड़ी की ओर नाली का निर्माण किया जाय।
(3) मलवा स्खलन/पात एवं गॉव वाले भाग में ब्रेस्ट/रिटेनिंग वाल का आवश्यकतानुसार निर्माण किया जाय।
(4) मोटर मार्ग के निर्माण के समय गॉव वाले भाग में विस्फोटक सामग्री का उपयोग न किया जाय।
(5) मोटर मार्ग के निर्माण के समय भूकम्पीय मानकों का अनुपालन किया जाय।
(6) पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए मार्ग का निर्माण किया जाय।
(7) पर्वतीय क्षेत्रों में बनने वाले मार्गो के मानकों के अनुरूप उपाय किए जाय।
(8) निर्माण के समय कृषि भूमि के ऊपरी मिट्टी की परत को बरबादी से रोका जाय।
(9) मिट्टी/मलवा वाले भाग में मार्ग के वाह्य भाग को उचा रखा जाय ताकि वर्षा के दिनों में पानी मार्ग को पार कर न बहे जिससे मार्ग यथावत बना रहे।
(10) इस सरेखण में सड़क निर्माण के पश्चात् कहीं–कहीं पर भू–स्खलन की सम्भावनाएं हैं इसलिए सड़क निर्माण के समय पहाड़ी को अधिक काटकर सड़क बनाने के बजाय स्टोन वाल की सहायता से सड़क का निर्माण उचित होगा।
(11) अन्य आवश्यक उपाय जो मार्ग निर्माण में आवश्यक हो किए जाय।

7– निष्कर्ष: उपरोक्त वर्णित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित मोटर मार्ग का निर्माण करना उपयुक्त प्रतीत होता है।

टिप्पणी: उपरोक्त मार्ग के सरेखण के निरीक्षण के समय उपस्थित अधिकारियों से विस्तृत में विचार विमर्श किया गया ।

Photo copy Attested

(डा0 आर0 ए0 सिंह)
एसोसिएट प्रोफेसर – भूविज्ञान
एल0 एस0 एम0 रा0 स्ना0 म0 विद्यालय
पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड
Dr. R. A. Singh
Associate Professor (Geology)
L.S.M. Govt. P. G. College
Pitheragarh, U.K., India

सहायक अभियन्ता
ग्रामीण खण्ड, लोक निर्माण विभाग
पिथौरागढ़